

प्रेषक,

इन्दु कुमार माण्डे,
प्रमुख सचिव, पित्त
उत्तरार्धल शासन।

सेवा में

- १- समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तरार्धल।
- २- पित्त अधिकारी/कुल-सचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उत्तरार्धल।
- ३- समस्त अध्यक्ष, जिला पंचायतें, उत्तरार्धल।

पित्त (सामान्य नियम - वेतन अंतर्योग) अनुग्रह-३

देहरादून: दिनांक: 22 अक्टूबर, 2005

पित्त राज्य कर्मचारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को महगाई भत्ते का भुगतान दिनांक : ०१ जुलाई, 2005 से लागू दर।

पारित नियन्त्रिति -

- १- शासनादेश संख्या-174 / XXVII(3)३ / 2004, दिनांक : ११ नई, 2004
- २- नाराट सरकार, पित्त मन्त्रालय, व्यय विभाग/शायांकल्य द्वाव राज्या-फा०३०१(५) / 2005,
तथा-११(ख) / 746, दिनांक : ०७ अक्टूबर, 2005।

प्राप्तिपद्धति

उपर्युक्त प्रिय पर मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि क० स० १ एवं २ में उल्लिखित शासनादेश दिनांक : ११ नई, 2004 एवं ०७ अक्टूबर, 2005 के बन में राज्यार्धल भत्ते द्वाव ने प्रदेश के समस्त पूर्णकालिक विवित राज्य कर्मचारियों और सहायता प्राप्त शिक्षण स्व प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं तथा स्थानीय निकायों के नियन्त्रित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों व यू०जी०सी० ऐतनमानों ने जारीता पदधारकों को दिनांक : ०१ जुलाई, 2005 से नियन्त्रित राज्यांकित दर से महगाई भत्ते के लाई स्वीकृति प्रदान कर दी है -

तिथि,जिस दिन से देय है	प्रतिग्राह महगाई भत्ते की दर
०१ जुलाई, 2005	वेतन का २१ प्रतिशत

२- इस शासनादेश द्वाव स्वीकृत महगाई भत्ते के राप्थ में शासनादेश संख्या-१-१५९९/परा-४२(एन) / ३७, दिनांक : २३ नवम्बर, १९९० के प्रस्तर-३.४.५ एवं ७ में उल्लिखित प्राप्तिपद्धति दर्थायत् लागू रहेगे।

३- ऐसे अधिकारी/कर्मचारी जिनकी देतनमानों का दिनांक : ०१ जनवरी, १९९६ से पुनरीक्षण नहीं हुआ है, के मामलों में दिनांक : ०१ जनवरी, 2005 से महगाई भत्ते के भुगतान हेतु उपर्युक्त विषयांकित कामांक-(१) एवं (२) पर उल्लिखित शासनादेश दिनांक ०२ नवम्बर, २००५ के बन में गुज़े यह कहने का निर्देश हुआ है कि ऐसे मामलों में ०१ जुलाई, 2005 से प्राप्त भत्ता ऐतन का ६३ प्रतिशत के आधार पर शासनादेश दिनांक ०२ जून, १९९६ के प्रस्तर-५ ने दी गयी प्रक्रिया के आधार पर आगणित गिरव जायेगा।

४- इन शासनादेशों द्वाव स्वीकृत/संशोधित दरों पर महगाई भत्ते की दिनांक : ०१ जनवरी, 2005 से ३१ अक्टूबर, 2005 तक की देय अपरोक्ष घनत्वात् अधिकारी/कर्मचारी के निवाय लाते ने लमा की

जायेगी, और इस प्रकार जमा धनराशि को निविख खाते में दिनांक : 01 नवम्बर, 2005 से जमा भारी जायेगा और इस तिथि से उक्त धनराशि पर ब्याज निविख निविख पर लागू दर से देय होगा।

इस प्रकार निविख खाते में जमा की गयी अवशेष धनराशि दिनांक : 31 अक्टूबर, 2006 तक संपर्कित अधिकारी/कर्मचारी के खाते में जमा रहेगी और इसे उक्त तिथि से पूर्व नहीं निकाला जा सकेगा। यदि कोई अधिकारी/कर्मचारी भविष्य निविख का सहारा नहीं है तो उसे उक्त अवशेष धनराशि नेशनल रेलिंग स्टीफिल्ड (एन०एस०सी) के रुप में दी जायेगी, परन्तु धनराशि के रिस अरा का सटीकिकेट उपलब्ध न हो, तो नकद दी जायेगी, बिल/शेड्यूल/चालान पर शासनादेश संख्या-सा-4-12-97-500(1)97, दिनांक 07 दृष्ट नकद दी जायेगी, बिल/शेड्यूल/चालान पर शासनादेश संख्या-सा-4-12-97-500(1)97, दिनांक 07 अक्टूबर, 1997 में निहित आदेशानुसार नियारित भोहर लगायी जानी चाहिये।

5- इन भादेशों के द्वारा स्वीकृत मंहगाई भत्ते की गयी हुई धनराशि का भुगतान अधिकारियों/कर्मचारियों को दिनांक : 01 नवम्बर, 2005 (भुगतान दिनांक 30 नवम्बर, 2005 को देय) से नकद किया जायेगा।

6- इन भादेशों के द्वारा स्वीकृत मंहगाई भत्ते के भुगतान की प्रक्रिया जो उपरोक्त प्रस्तावों में उल्लिखित है, अधिक भारतीय सेवा के अधिकारियों पर भी लागू होगी।

7- जिन अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी किये जाने की तिथि से पूर्व सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की अधिकारी/कर्मचारी अधिकार्यता की आयु पर दिनांक : 31 अक्टूबर, 2005 तक हो रही हों उथना जो अधिकारी/कर्मचारी अधिकार्यता की आयु पर दिनांक : 31 अक्टूबर, 2005 तक सेवानिष्ठा होने वाले हों, उनको देय मंहगाई भत्ते के अपशेष की सम्पूर्ण धनराशि का भुगतान नकद किया जाएगा।

भवदीय,

इन्दु कुमार पाण्डे
प्रभुख सचिव।

संख्या : 09 (1)/XXVII(7)म/2005, एवं तददिनांक

प्रतीक्षिये भिन्नलिखित को सूचनाएं एवं कावशक कार्डवाले हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, औवराय घटन, माजरा, देहरादून।
2. समरत कोषधिकारी, उत्तराचल, देहरादून।
3. दरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (वितन अनुसंधान एकल), भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग), कमरा नं-261, नाथ लाल, नई दिल्ली-110001।
4. सचिव, राज्यपाल महोदय, उत्तराचल, देहरादून।
5. सचिव, विधान रामा, उत्तराचल, देहरादून।
6. महानिवन्धक, उच्च न्यायालय, उत्तराचल, देहरादून।
7. रीजनल प्रॉविडेन्ट फण्ड कमिश्नर, कानपुर/देहरादून।
8. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराचल, देहरादून।
9. राजनिक आयुक्त, उत्तराचल, नई दिल्ली।
10. निदेशक, एन०आई०सी, उत्तराचल, देहरादून।

आज्ञा से

(टी.एन०सिंह)
अपर सचिव।